हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, शुक्रवार 8 मई 2026

11 72 घंटों में भुगतान के दावे खोखले, बैंकों से नहीं मिल रही पेमेंट : विष्णुदत्त

12 घरों में खाना शुरू करते हुए भिनभिनाने लगते है मक्खियां-मच्छर...

खबर संक्षेप

ठगी के मामले में संचालक गिरफ्तार

फतेहाबाद। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले कबूतरबाजों के खिलाफ जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक सफलता मिली है। थाना सदर टोहाना पुलिस और इकोनॉमिक सेल की टीम ने युवाओं को विदेश भेजने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले 'याना इंस्टीट्यूट' के संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जमालपुर शेखां निवासी शीशपाल पुत्र अमृत लाल के रूप में हुई है। इकोनॉमिक सेल प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि गांव खनौरा निवासी पूर्ण चंद ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी शीशपाल टोहाना में याना इंस्टीट्यूट के नाम से अपना दफ्तर चलाता है।

बाइक सवार युवक को हेरोइन साहित किया काबू

फतेहाबाद। सीआई फतेहाबाद की टीम ने एक नशा तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12.76 ग्राम हेरोइन और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रवि उर्फ खंडू पुत्र नरेश कुमार, निवासी नायक मोहल्ला, भूना के रूप में हुई है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उप निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस की एक टीम नशा विरोधी अभियान के तहत उकलाना रोड पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ युवक पकड़ा

फतेहाबाद। सीआईए फतेहाबाद पुलिस टीम ने हिसार-सिरसा बाईपास पुल के पास एक युवक को अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूसों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव माजरा निवासी बलजिन्द्र सिंह उर्फ बिन्दर पुत्र जीत सिंह के रूप में हुई है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उप निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस की एक टीम अपराधों की रोकथाम के लिए भूना मोड़ ऑटो मार्केट से गांव बरसीन की तरफ गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान कार्रवाइ की गई।

11.20 ग्राम हेरोइन के साथ महिला को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने एक महिला को हेरोइन तस्करी के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से 11.20 ग्राम हेरोइन बरामद की है। महिला की पहचान जसविन्द्र कौर पत्नी जसपाल सिंह, निवासी पुरानी गौशाला, रतिया के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि पुलिस टीम अपराधों की रोकथाम के लिए हनुमान चौक के पास गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पुरानी गौशाला निवासी जसविन्द्र कौर हेरोइन बेचने का अवैध धंधा करती है और इस समय वह हनुमान चौक के पास एक गली में ग्राहक के इंतजार में खड़ी है।

सेक्टर-3 और पार्ट-2 में एचएसवीपी की कार्रवाई पर उठे सवाल

किसी की ग्रीन बेल्ट टूटी, किसी के कब्जे आज भी हैं कायम

15 दिन का दिया था नोटिस, एक साल बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हुडा सेक्टर-3 और पार्ट-2 में कोठियों के बाहर अवैध रूप से बनाई गई ग्रीन बेल्ट, रैम्प और ग्रिलों को हटाने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा करीब एक वर्ष पहले चलाया गया अभियान अब सवालों के घेरे में है। विभाग ने उस समय सड़कें चौड़ी करने और यातायात सुचारू बनाने के नाम पर लोगों को नोटिस जारी कर कार्रवाई की चेतावनी दी थी। कई लोगों ने डर के कारण खुद ही लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई ग्रीन बेल्ट और ग्रिलें हटवा दीं, लेकिन अब तक न तो बड़े स्तर पर कोई तोड़फोड़ हुई और न ही अवैध कब्जे करने वालों पर कोई कार्रवाई की गई। इसको लेकर सेक्टरवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोग दबी जुबान में एचएसवीपी अधिकारियों पर 'ले-देकर मामला रफा-दफा' करने जैसे आरोप लगा रहे हैं। वहीं जिन लोगों ने विभागीय आदेशों की पालना करते हुए अपनी ग्रीन बेल्ट और रैम्प हटाए, वे खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

लोग बोले- नियम सिर्फ आम लोगों के लिए, रसूखदारों पर मेहरबानी क्यों

फतेहाबाद। हुडा सेक्टर में कोठियों के बाहर बने पार्क और लेवल से ऊंचा बना सीवरेज मेनहॉल।

अभियान ठंडे बस्ते में चला गया

मिली जानकारी के अनुसार एचएसवीपी के स्टेट ऑफिसर ने करीब एक साल पहले अभियान चलाते हुए सेक्टर-3 और पार्ट-2 के कोठी मालिकों को नोटिस जारी किए थे। नोटिस में 15 दिन के भीतर कोठियों के बाहर बने पार्क, रैम्प और ग्रिलें हटाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि तय समय में अवैध निर्माण नहीं हटाए गए तो विभाग स्वयं इन्हें तोड़ देगा और कार्रवाई का खर्च भी संबंधित कोठी मालिकों से वसूला जाएगा। नोटिस मिलने के बाद कुछ लोगों ने स्वयं ही अपने घरों के बाहर बनी ग्रीन बेल्ट, रैम्प और ग्रिलें हटवा दीं। सेक्टरवासियों का कहना है कि उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बनाए रखने के उद्देश्य से पेड़-पौधे लगाए थे, लेकिन विभागीय कार्रवाई के डर से सब हटाना पड़ा। इसके बाद एचएसवीपी अधिकारी दोबारा सेक्टर में पहुंचे जरूर, लेकिन केवल औपचारिकता निभाकर लौट गए। उसके बाद पूरा अभियान ठंडे बस्ते में चला गया।

सीवरेज मेनहॉल भी बने खतरा

एक ओर विभाग अतिक्रमण हटाकर सडक़ें चौड़ी करने की बात कर रहा है, वहीं दूसरी ओर एचएसवीपी द्वारा बनाए गए सीवरेज मेनहॉल खुद हादसों का कारण बने हुए हैं। सेक्टरवासियों का कहना है कि कई जगह मेनहॉल सडक से करीब एक फुट ऊपर बने हुए हैं, जिससे मोड़ पर वाहन चढ़ते ही दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

'आम आदमी पर सख्ती, बड़े लोगों पर नरमी'

सैक्टरवासियों का आरोप है कि जिन लोगों की पहुंच और रसूख ज्यादा है, उनके खिलाफ विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। आज भी कई कोठियों के बाहर पहले की तरह अवैध कब्जे बने हुए हैं। कहीं रैम्प बने हैं तो कहीं ग्रिल लगाकर मिनी पार्क तैयार किए गए हैं। लोगों का कहना है कि अगर अवैध कब्जे हटाने थे तो फिर सभी के खिलाफ एक समान कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

अतिक्रमण से संकरी हुई सड़कें

सेक्टर में बड़ी संख्या में लोगों ने कोठियों के बाहर कई-कई फुट तक अतिक्रमण कर रखा है। कहीं अवैध रैम्प बनाए गए हैं तो कहीं ग्रिल लगाकर छोटे पार्क तैयार कर दिए गए हैं। इससे सडकों की चौड़ाई कम हो गई है और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है।

तीन कारोबारियों के ठिकानों पर इनकम टैक्स का छापा

जीएसटी चोरी से जुड़े मामलों में की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

इनकम टैक्स विभाग की अलग-अलग टीमों ने वीरवार को सिरसा शहर में तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की, जिससे व्यापारियों में हडक़ंप मच गया। दोपहर तीन बजे के दौरान मिली जानकारी के अनुसार विभागीय टीम सुबह सिरसा पहुंची और पांच घंटे तक दस्तावेजों की गहन जांच की। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई जीएसटी चोरी से जुड़े मामले में की गई है। विभाग की टीमों ने तीनों कारोबारियों के ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि इन कारोबारियों का पहले दिल्ली में कारोबार था और जीएसटी अनियमितताओं से जुड़े मामलों में जांच चल रही है। इसी कड़ी में सिरसा में भी यह कार्रवाई की गई है। विभागीय टीमों ने करीब पांच घंटे तक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की गहन जांच की। सूत्रों के अनुसार सिरसा में इंकम टैक्स की रेड अकेले इंकम टैक्स विभाग की नहीं है, बल्कि इसमें जीएसटी और ईडी से मिलें इनपुट भी शामिल है। दरअसल, मोदी सरकार में इन केंद्रीय विभागों द्वारा आपस में सूचनाएं सांझा की जाती है। जिसके आधार पर कोई एक एजेंसी को जांच करने की जिम्मेवारी दी जाती है।

सिरसा। छापेमार कार्रवाई के दौरान घर के बाहर खड़ी गाड़ी व जवान।

आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर रेड से सनसनी

बताया जाता है कि न केवल सिरसा बल्कि देशभर में किए गए संदिग्ध ट्रांजेक्शन के आधार पर केंद्रीय एजेंसियां हरकत में आ जाती है और इसकी पूछताछ कर तह तक जाती है। सूत्र दावा करते है कि निकट भविष्य में ईडी का ताबड़तोड़ एक्शन संभावित है। इंकम टैक्स विभाग द्वारा आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर की गई रेड से सिरसा में सनसनी फैल गई। दरअसल, इंकम टैक्स विभाग द्वारा कई बरसों के बाद सिरसा की ओर रूख किया गया है। टीम के सिरसा में दस्तक से सिरसा मंडी के कारोबारियों में खलबली मच गई। उन्होंने आनन फानन में अपनी कच्ची बही-बसने दाएं-बांए किए। दिनभर अलग-अलग तरह की चर्चाओं का जोर रहा।

आंगनबाड़ी केंद्र घुकांवाली में कूड़े के ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

क्षेत्र के गांव घुकांवाली में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में कूड़ा कचरा व साफ सफाई की कमी के कारण नन्हें बच्चों के बीमार होने का खतरा बना हुआ है।

- नन्हें बच्चों के बीमार होने का बढ़ा खतरा

गांववासी लाभ सिंह, काला सिंह, लाभ सिंह, जीवन सिंह, विजय कुमार आदि ने बताया कि गांव में वीरपाल कौर की आंगनवाड़ी कंडम हो गई है और इस समय वह हनुमान मंदिर के पास एक धर्मशाला में चल रही है। जिसकी चारदीवारी कई जगहों से टूटी हुई है और लोग इसमें कूड़ा कर्कट फेंक रहे हैं। इसी कूडे के ढेर के पास बच्चें खेलते हैं और भोजन करते है। आंगनबाड़ी वर्कर वीरपाल कौर ने बताया कि उसने ग्राम पंचायत व सीडीपीओ ओढ़ा को नई आंगनबाड़ी बनाने के बारे कह दिया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस जगह पर साफ सफाई के

अलावा बिजली भी नहीं है और गर्मी के कारण बच्चों का बुरा हाल है। इस संबंध में सरपंच स्वर्णजीत कौर का कहना है कि इस धर्मशाला में से कुड़ा कर्कट शीघ्र ही हटवा दिया जाएगा। बाल विकास परियोजना अधिकारी ओढ़ा में कार्यरत सुपरवाइजर सुनीता देवी ने बताया कि आंगनवाड़ी भवन को कंडम घोषित करवाना ग्राम पंचायत का कार्य है और अगर किसी गांव में भवन नही है तो पंचायत सरकारी स्कूल में एक कमरा दिलवाकर आंगनबाड़ी केंद्र चलवा सकती है।

अवैध शराब छोड़कर भागने का आरोपी काबू

फतेहाबाद। अवैध शराब तस्करी के मामले में पिछले कई दिनों से फरार चल रहे एक आरोपी को थाना सदर टोहाना पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव जापतेवाला निवासी गुरदीप सिंह उर्फ दीपा पुत्र चन्ना सिंह के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला बीती 23 अप्रैल का है। उस दिन पुलिस की एक टीम जापतेवाला नहर की पटरी के पास गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति इलाके में अवैध शराब बेचने की फिराक में घूम रहा है। जब पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी, तो आरोपी पुलिस की गाड़ी को दूर से ही देखकर घबरा गया। पकड़े जाने के डर से आरोपी अपने पास मौजूद दो प्लास्टिक की कैनियां मौके पर ही छोड़कर भागने में सफल रहा था।

जाखल में रेलवे रोड का निर्माण शुरू

1.5 करोड़ रुपये होंगे खर्च, लोगों को मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के जाखल में स्थित नई बस्ती रेलवे रोड के निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद सडक़ का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह एक किलोमीटर लंबी सडक़ लंबे समय से खराब स्थिति में थी। बारिश के दौरान सडक़ पर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती थी, जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन में काफी परेशानी होती थी। लोगों की समस्याओं को देखते हुए, पीडब्ल्यूडी ने डामर की जगह सीमेंट कंक्रीट सडक़ बनाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा था। सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और इसके लिए धनराशि भी जारी कर दी है। इस एक किलोमीटर लंबी सीसी सडक़ के निर्माण पर करीब 1.5 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इससे

क्षेत्र के लोगों को आवाजाही में बड़ी राहत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग के एसडीओ विजय शर्मा ने बताया कि नई बस्ती रेलवे रोड का निर्माण सीमेंट कंक्रीट से किया जाएगा। सडक़ की चौड़ाई 18 फुट होगी और इसके दोनों तरफ 3-3 फुट के रैंप बनाए जाएंगे, ताकि वाहनों और पैदल चलने वालों को कोई असुविधा न हो।

बीए की 240, बीकॉम में 80 सीटें उपलब्ध

राजकीय कॉलेज में सत्र 2026-27 के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू

- ऑनलाइन पंजीकरण के लिए विशेष कंप्यूटर सेल स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा से संबद्ध जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय कॉलेज में सत्र 2026-27 के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जय भगवान ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार 7 मई से ऑनलाइन माध्यम से छात्र आवेदन कर सकते हैं। वर्तमान में कॉलेज में बीए के लिए 240 सीटें और बीकॉम के लिए 80 सीटें उपलब्ध हैं।उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और उनकी आर्थिक सहायता को ध्यान में रखते हुए सरकारी नीतियों के तहत महाविद्यालय में अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 14000 रुपये और पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए 8000 रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति का प्रावधान है, वहीं मेधावी छात्रों को 5000 रुपये की वार्षिक मेरिटोरियस स्कॉलरशिप से प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यार्थियों के लिए पूर्णतः निःशुल्क बस पास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नोडल अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि दाखिला के लिए एक कंप्यूटर सेल स्थापित किया है जो छात्रों का दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करने का कार्य करेगा।

चार मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी एक को सील करने की सिफारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

ऐलनाबाद क्षेत्र में ड्रग्स कंट्रोल विभाग और पुलिस की संयुक्त टीमों ने वीरवार को चार मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी कर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीमों द्वारा मेडिकल स्टोरों पर दवाइयों के स्टॉक, बिक्री रिकॉर्ड तथा संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जांच में हिमांशु मेडिकल स्टोर पर अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित मेडिकल स्टोर को सील करवाने के लिए सिफारिश की गई है। अधिकारियों ने मेडिकल स्टोर संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि बिना डॉक्टर की अधिकृत पर्ची के किसी भी प्रकार की दवा, विशेषकर नशीली एवं प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री न की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी मेडिकल स्टोर पर बिना वैध पर्ची के दवाइयों की बिक्री पाई गई तो संबंधित

- दवाइयों के स्टॉक, बिक्री रिकॉर्ड तथा संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की

सिरसा। मेडिकल स्टोर पर जांच करती टीम।

संचालक के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। संयुक्त कार्रवाई में ड्रग इंस्पेक्टर केशव वशिष्ठ, ऐलनाबाद थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रगट सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

प्रशासन की सख्ती जारी

फसल अवशेष जलाने पर नहला के किसान के खिलाफ केस दर्ज

- करीब 14 कनाल खेत में लगी हुई थी आग, हरसेक ने भेजी थी लोकेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला प्रशासन द्वारा फसल अवशेष जलाने पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद नियमों की अवहेलना करने वालों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। ताजा मामले में भूना क्षेत्र के गांव नहला में फसल अवशेष को आग लगाने के आरोप में एक किसान के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई हरसेक द्वारा प्राप्त सैटेलाइट लोकेशन के आधार पर की गई है।पुलिस को दी गई शिकायत में एग्रीकल्चर सुपरवाइजर राकेश कुमार ने बताया कि उपायुक्त फतेहाबाद के आदेशानुसार, 30 मार्च से जिले भर में फसल कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने पर पूरी तरह से पाबंदी लागू है। इस दौरान हरसेक द्वारा विभाग को एक लोकेशन भेजी गई थी, जिसमें नहला क्षेत्र के खेतों में आगजनी की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और ग्राम स्तरीय कमेटी को मौके पर जांच के लिए भेजा गया। इस ग्राम स्तरीय कमेटी में कृषि विकास अधिकारी, ग्राम सचिव, सरपंच और नंबरदार शामिल थे। टीम ने जब बताए गए स्थान पर पहुंचकर मुआयना किया, तो पाया कि किसान बलवंत सिंह निवासी नहला ने अपने करीब 14 कनाल खेत में फसल के अवशेषों को आग लगाई हुई थी।

'खिलौना ट्रैक्टर' बेचने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए खिलौने बेचने का झांसा देकर युवाओं से धोखाधड़ी करने वाले एक अंतर्राज्यीय ठग को भट्टूकलां पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मनीष उर्फ मोनू पुत्र राजीराम, निवासी ललेरां पट्टा, थाना महाजन, जिला बीकानेर के रूप में हुई है। थाना भट्टू कलां प्रभारी उप निरीक्षक राधेश्याम ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गांव बनमंदौरी निवासी सुनील ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दी थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने इंस्टाग्राम पर एक प्रभावशाली दिखने वाला अकाउंट देखा था, जिसके करीब 1.87 लाख फॉलोअर्स थे। इस अकाउंट पर ट्रैक्टरों के बहुत ही आकर्षक और शानदार मॉडल प्रदर्शित किए गए थे, जिन्हें देखकर युवा आसानी से उनके झांसे में आ जाते थे। पीड़ित सुनील ने बताया कि उसने खिलौना खरीदने के लिए अकाउंट पर दिए गए व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क किया। वहां ठग ने उससे 2 हजार रुपये की मांग की। जैसे ही सुनील ने ऑनलाइन माध्यम से पैसे ट्रांसफर किए, आरोपी ने न तो सामान भेजा और न ही कोई जवाब दिया, बल्कि उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने इसकी शिकायत तुरंत साइबर पोर्टल पर दर्ज करवाई।

जानकारी | **ओटीपी सिस्टम बनेगा सुरक्षा की दीवार : एसपी**

'अभेद्य ऐप' से साइबर अपराधों पर लगेगी रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि अभेद्य ऐप से साइबर अपराधों पर काफी हद तक रोक लगेगी और संदिग्ध नंबरों का डेटा बैकएंड में सुरक्षित रहने से अपराधियों तक पहुंचाना भी आसान होगा। एसपी दीपक सहारण ने गुरुवार को साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक कर डिजिटल ठगी से सुरक्षित रखना है।

उन्होंने कहा कि अभेद्य ऐप साइबर सुरक्षा की ढाल के रूप में काम करेगा। यह एप अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और मास्क किए गए संदिग्ध नंबरों से आने वाली कॉल्स व व्हाट्सएप संदेशों को उपयोगकर्ता तक पहुंचने से पहले ही ब्लॉक कर देता है।

अपील : अनजान लोगों से ओटीपी शेयर न करें

एचडीएफसी बैंक के सहयोग से शुरू किए गए इ्यूल ओटीपी सिस्टम के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और 25 लाख रुपये से अधिक राशि वाले खातों में बड़े लेनदेन के समय दो ओटीपी की आवश्यकता होगी। एक ओटीपी खाताधारक और दूसरा परिवार के विश्वसनीय सदस्य के पास जाएगा। दोनों ओटीपी दर्ज होने के बाद ही ट्रांजेक्शन पूरा होगा। इससे जल्दबाजी और मानसिक दबाव में होने वाली ठगी पर रोक लगेगी। एसपी ने बताया कि वर्तमान समय में डिजिटल अरेस्ट नामक साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है। साइबर ठग खुद को सीबीआई, पुलिस या अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं और लोगों को डराकर घर में ही नजरबंद होने का झूठा नाटक रचते हैं। इसके बाद वे बैंक खातों की जानकारी और पैसे ऐंठने का प्रयास करते हैं। एसपी ने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल के माध्यम से ऐसी कार्रवाई नहीं करती।

एसपी दीपक सहारण।

फीलिंग्स

माय मम्मी इज द बेस्ट

हर मां अपने बच्चों से बेइंतहा प्यार करती है। बच्चों की केयर में कोई कसर नहीं छोड़ती। बच्चे भी अपनी मां से बहुत प्यार करते हैं, उनकी दुनिया मां के इर्द-गिर्द रहती है। टीवी के कुछ चाइल्ड आर्टिस्ट्स **बालभूमि** से शेयर कर रहे हैं, मां से जुड़ी अपनी फीलिंग्स, उनसे जुड़ी खास मेमोरी। ये चाइल्ड आर्टिस्ट्स यह भी बता रहे हैं, इस मदर्स-डे पर इनकी क्या प्लानिंग्स हैं, इनका अपनी मां के लिए क्या मैसेज है?

हमेशा मिलता है मम्मी का प्यार-सपोर्ट: हरिति जोशी

इन दिनों सन नियो के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा का किरदार हरिति जोशी निभा रही है। अपने अभिनय से उसने दर्शकों का मन मोह रखा है। हरिति अपनी मम्मी को लेकर अपनी फीलिंग्स शेयर करती है। वह बताती है, 'मेरी मम्मी की सबसे अच्छी क्वालिटी है, उनका प्यार और हर वक्त सपोर्ट में खड़े रहना। वो मेरे लिए दुनिया की बेस्ट मम्मी हैं।' हरिति अपनी मम्मी से रिलेटेड एक मेमोरी शेयर करती है, 'जब मैं बहुत छोटी थी, तब एक बार मुझे बहुत तेज बुखार हो गया था। मैं बस चुपचाप लेटी थी। मम्मी मेरे पास ही बैठी थीं। वो बार-बार मेरे माथे पर ठंडी पट्टी रखतीं। मुझे अपनी गोद में सुला लेतीं। रात को जब सब सो गए, तब भी मम्मी नहीं सोईं। मैं आधी रात को जब उठी तो देखा कि वो मेरे बाल सहला रही हैं। उस दिन मुझे एहसास हुआ कि मम्मी मुझसे कितना प्यार करती हैं।' इस बार मदर्स-डे पर हरिति अपनी मम्मी को कैसे स्पेशल फील कराएगी, पूछने पर वह बताती है, 'इस मदर्स-डे पर मैं मम्मी के लिए अपने हाथ से एक प्यारा-सा कार्ड बनाऊंगी, जिसमें अपनी और उनकी पिक्चर लगाऊंगी। मैं उनकी कोई फेवरेट डिश बनाऊंगी। घर के कामों में भी उनका हाथ बंटाऊंगी ताकि मम्मी को आराम मिले।'

मदर्स-डे पर हरिति अपनी मम्मी को क्या स्पेशल मैसेज देना चाहेगी, पूछने पर वह बताती है, 'मैं मम्मी से कहूंगी कि मम्मी, आप दुनिया की सबसे अच्छी मम्मी हैं। आप मेरे लिए इतना कुछ करती हैं, उसके लिए थैंक यू! मैं आपसे बहुत-बहुत प्यार करती हूं।' *

मम्मी से मिलती है इंस्पिरेशन: आयशा विंधारा

सोनी सब के शो 'इत्ती सी खुशी' में चिड़िया की भूमिका निभा रही आयशा विंधारा को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। आयशा अपनी मम्मी की बेस्ट क्वालिटीज के बारे में बताती है, 'मेरी मम्मी हमेशा मेरी हर बात बहुत ध्यान से सुनती हैं। मुझे वे यह भी बताती हैं कि मैं कोई काम सही कर रही हूं या गलत। वे मुझे हमेशा गाइड करती हैं। अपनी मम्मी के प्यार और सपोर्ट की वजह से ही मैं हमेशा सिक्योर और कॉन्फिडेंट फील करती हूं।'

इस मदर्स-डे पर मम्मी को स्पेशल फील कराने के लिए आयशा क्या कुछ खास करने वाली है, पूछने पर वह एक्साइटेड होते हुए बताती है, 'मैं इस बार मदर्स-डे पर अपनी मम्मी के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच करने जाऊंगी। उस दिन घर में उनके लिए अपने हाथों से ब्रेकफास्ट तैयार करूंगी। मैं अपनी मम्मी को अपने हाथों से बनाया हुआ एक बहुत सुंदर-सा ग्रीटिंग कार्ड दूंगी। साथ ही, मैं उन्हें एक परफ्यूम या उनकी पसंद की शेड वाला लिपस्टिक गिफ्ट करूंगी। मैं अपनी मम्मी और अपनी बहन के साथ इस बार जोरदार तरीके से मदर्स-डे सेलिब्रेट करूंगी।'

इस मदर्स-डे पर अपनी मम्मी के लिए आयशा क्या मैसेज देना चाहेगी? पूछने पर वह बताती है, 'मम्मी, आप हमेशा मुझे सही राह दिखाती हैं, सही सलाह देती हैं। आप हमेशा खुद को मोटिवेट करती हैं, दूसरों की हेल्प करती हैं। आपकी इन बातों से मुझे इंस्पिरेशन मिलती है। आप हमेशा वैसी ही बनी रहें जैसी आप हैं।' *

मम्मा के पास हर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन होता है: संवेग कौदान

सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में संवेग कौदान, अंश पटेल की भूमिका निभा रहा है।

अपनी मम्मी के बारे में संवेग बताता है, 'मेरी मम्मा इस दुनिया में सबसे अच्छी मम्मा हैं। वो मेरी हर बात मानती हैं। जो बात नहीं मानने वाली होती है, वह मुझे समझाती हैं कि यह बात क्यों नहीं मान रही हैं? मेरी मम्मा मुझ पर बहुत ट्रस्ट करती हैं। जब कोई मेरे बारे में यह बोलता है कि इससे यह काम नहीं होगा, तब मम्मा कहती हैं, मेरा बेटा सब काम कर सकता है। माय मम्मा इज हेल्पिंग, केयरिंग एंड सपोर्टिव।' मम्मा के साथ कोई मेमोरेबल इंसिडेंट के बारे में पूछने पर संवेग एक मजेदार इंसिडेंट के बारे में बताता है, 'एक बार दिल्ली मेट्रो से सफर करने के लिए मैं अपनी मम्मा के साथ स्टेशन पर पहुंचा। कुछ क्रैकर्स मेरे बैग में रखे हुए थे। जब मैंने वहां चेकिंग कर रहे सीआईएसएफ जवान को देखा तो डर गया, मैं रोने लगा। मम्मा ने मुझे बहुत चुप कराया लेकिन मैं चुप ही नहीं हो रहा था। तो फिर मम्मा ने सीआईएसएफ जवान को कंविंस किया। उसके बाद वह जवान मुस्कुराते हुए मेरे पास आए और प्यार से बोले- इस बार तुम्हारी गलती माफ। आगे से फायर क्रैकर्स लेकर मेट्रो या किसी पब्लिक प्लेस पर मत जाना। मैंने उनसे प्रॉमिस किया। इसके बाद मैं रिलैक्स हो गया। मम्मा के पास हर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन होता है।' इस बार मदर्स-डे पर संवेग अपनी मम्मी को एक स्पेशल सरप्राइज देने की प्लानिंग कर रहा है। वह बताता है, 'मम्मा मेरे लिए पापा और दीदी से दूर रहती हैं। इसलिए मम्मा को बिना बताए मैं पापा-दीदी को यहीं बुला लूंगा। इस सरप्राइज से वह बहुत खुश होंगी।' मदर्स-डे पर संवेग अपनी मम्मा को यह मैसेज देना चाहता है, 'मुझे आपका हमेशा ख्याल रखना है, कभी आपका साथ नहीं छोड़ना है। आई लव यू मम्मा।' *

मम्मी मुझे हमेशा मोटिवेट करती हैं: अकदास खान

सन नियो के शो 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' में सप्पू का किरदार निभाकर अकदास खान ने दर्शकों का दिल जीत रखा है। अकदास अपनी मम्मी के बारे में बताता है, 'मेरी मम्मी दुनिया की बेस्ट मॉम हैं। वो हमेशा मेरा ख्याल रखती हैं। मम्मी मुझे हर बात को बहुत अच्छे से समझाती हैं। वो हमेशा मुझे मोटिवेट करती हैं, कहती हैं- अपनी मजबूत इच्छाशक्ति और मेहनत से हम लाइफ में कुछ भी अचीव कर सकते हैं।'

अकदास अपनी मम्मी से रिलेटेड एक प्यारी-सी मेमोरी शेयर करता है, 'एक बार मैं शूट के दौरान बहुत थक गया था। मेरा मन काम करने का नहीं था। तब मम्मी सेट पर आईं। उन्होंने मुझे हग किया और मुझे मेरी फेवरेट चॉकलेट दी। फिर हम दोनों ने साथ में थोड़ा टाइम बिताया। मम्मी ने मुझे स्पेशल फील कराया। मैं फिर से खुश हो गया।'

इस बार मदर्स-डे पर अपनी मम्मी को स्पेशल फील कराने के लिए अकदास अपनी प्लानिंग बताता है, 'मदर्स-डे पर मैं मम्मी के लिए एक हैंडमेड कार्ड बनाऊंगा। उन्हें एक छोटा-सा गिफ्ट भी दूंगा। अगर उस रोज मेरी शूटिंग नहीं हुई, तो मैं उनके साथ पूरा दिन बिताऊंगा।'

मदर्स-डे पर अकदास अपनी मम्मी को क्या खास मैसेज देना चाहता है, पूछने पर बताता है, 'मैं मम्मी से कहूंगा कि मैं आपको बहुत प्यार करता हूं। आप मेरे लिए सबसे स्ट्रॉन्ग और बेस्ट हो। आप हमेशा मेरे साथ रहिएगा। मैं बड़ा होकर आपको बहुत प्राउड फील कराऊंगा।' *

प्रस्तुतिः बालभूमि फीचर्स

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्रेरित करती कहानियां

बच्चो, हाल में ही प्रेरित करती बाल कथाओं की किताब 'बच्चों को स्वावलंबी बनाने वाली कहानियां' छपकर आई है। इसमें कुल बारह कहानियां संकलित हैं। इस किताब की लेखिका डॉ. करुणा पांडे हैं। ये सभी कहानियां जीवन से जुड़ी शिक्षाएं देती हैं। पहली कहानी 'आत्मनिर्भर बनो' में शिक्षक अपनी कक्षा के बच्चों को एक चिड़िया की कहानी सुनाकर आत्मनिर्भरता का महत्व बताते हैं। दूसरी कहानी 'मेहनत का खजाना' में तुम पढ़ोगे कि कैसे आलसी लड़के गोविंद को मेहनत का महत्व पता चलता है, जब उसके पिता का देहांत हो जाता है। एक और आलसी बच्चे तिम्मा की कहानी तुम 'गौरैया का उपाय' में पढ़ सकते हो कि कैसे उसे एहसास होता है कि बिना मेहनत किए कोई भी जीव अपना भोजन प्राप्त नहीं कर सकता है। 'दोस्ती की पहचान' एक किसान और उसके नासमझ बेटे गोपाल की कहानी है, जो अपने सच्चे दोस्तों की पहचान नहीं कर पाता है और उनके साथ अपना समय बरबाद करता रहता है। लेकिन जब वह उनसे मदद मांगने जाता है तो उसे सच्चाई का पता चलता है। 'अदभुत जीव' एक साहसी युवक की कहानी है, जो अपनी बुद्धिमानी और वीरता से खतरनाक जीव को मार देता है। 'अंतरात्मा की आवाज' एक ईमानदार बच्चे अतुल की कहानी है, जो अपनी मां की दी हुई शिक्षा को कभी नहीं भूलता है। यह कहानी बताती है कि लालच से हमेशा दूर रहना चाहिए। इनके अलावा इस किताब में संकलित 'साहसी लड़की', 'स्वार्थी मित्र', 'मेहनत की कमाई' और 'उन्नति का रास्ता' कहानियां भी तुम्हें अच्छी लगेंगी। ये कहानियां रोचक तरीके से तुम्हें स्वावलंबी और अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित करती हैं। *

किताब: बच्चों को स्वावलंबी बनाने वाली कहानियां (बाल कथा संग्रह), **लेखिका:** डॉ. करुणा पांडे, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** श्वेता बुक एजेंसी, पिलानी राजस्थान

कहानी
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

हर किसी को अपनी मां की कद्र करनी चाहिए, उसे प्यार-सम्मान देना चाहिए। नहीं तो मां के ना रहने पर उसी तरह पछतावा, दुख होगा, जैसे चंदन को होता है। उसने एक दिन नोटबुक में वह सब लिख डाला, जो उसने मां के ना रहने पर महसूस किया। मां हमारे जीवन में कितना महत्व रखती हैं, बता रही है यह कहानी।

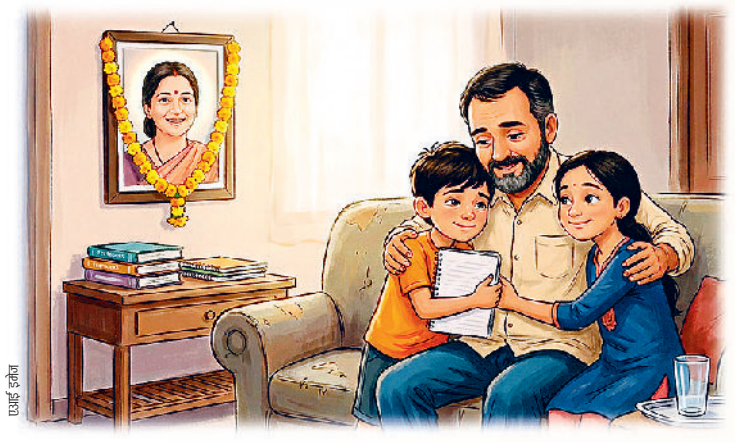

मां, आपको पता है न?

एआई इमेज

पापा घर में घुसे तो सन्नाटा पसरा था। रीतू तो बैठक में फर्श पर ही सो गई थी। चंदन सोफे पर सोया हुआ था। उलटे, औंधे मुंह। नोटबुक उसका तकिया बनी हुई थी। पापा मन ही मन बोले, 'अच्छा! तो बच्चू पढ़ते-पढ़ते सो गए हैं।' पापा ने बड़े प्यार से उसकी पीठ को सहलाया फिर आहिस्ते से उस नोटबुक को खींचा। चंदन पर कोई असर न पड़ा। वह बेसुध सोया हुआ था।

पापा मुस्कुराए। उसके गालों का पसीना पोछा। नोटबुक का पन्ना भी तो भीगा हुआ था। पापा ने एक बार फर्श पर सोई हुई रीतू के माथे को भी प्यार से सहलाया। रीतू की नींद खुल गई, 'अरे! पापा, आप आ गए। मैं पानी लाती हूं।'

रीतू आंखें मलती हुई किचेन में चली गई। पापा के हाथ में चंदन की नोटबुक थी। वह उसे मेज पर रखने ही जा रहे थे कि उस पर बड़ी ही खूबसूरत लिखावट में लिखे पांच शब्दों पर दृष्टि रुक गई। लिखा थाः मां, आपको पता है न?

इसके बाद तो कितना कुछ लिखा हुआ था। पापा की आंखों की कोरें गीली हो गईं। उन्होंने बैठक में ठीक सामने लगी चंदन की मां की फोटो को निहारा। चंदन की मां अब इस दुनिया में नहीं हैं। उन्हें गए एक साल से ऊपर हो गया। पापा ने तो पूरी कोशिश की कि दोनों बच्चों को उनकी कमी महसूस न हो। दोनों को खूब प्यार देते हैं। समय भी खूब देते हैं !

पापा ने नोट बुक को पढ़ना शुरू किया।

मां, आपको पता है न? मैं इस बार कक्षा पांच में आ गया। मुझे कक्षा में सबसे ज्यादा नंबर मिले हैं। मैं आपकी सारी बातें याद रखता हूं। समय से उठता हूं। खूब मन से पढ़ता हूं। आप थीं तो मैं कितना जिद्दी था। उफ! आपको कितना परेशान किया मैंने। कितनी मिस्टेक कीं। कभी सॉरी भी नहीं कहा, लेकिन आपने हमेशा मुझे माफ किया। मेरा हमेशा ही कितना ख्याल रखा। अब आप नहीं हैं तो समझ में आता है कि आप मेरे लिए कितनी जरूरी थीं। कितना कुछ करती थीं। कभी आराम नहीं। कभी मैंने भी तो आपको आराम नहीं दिया। कभी आप थकी-हारी मुझसे कुछ मांगती भी थीं तो कैसे बहाने से मना कर देता था। और आप हंसकर सब कुछ भूल जाती थीं। आप बीमार थीं, तब भी तो कितना काम करती थीं। अब आप नहीं हैं तो आपकी कीमत समझ आती है। अब लगता है, मुझे आपकी हेल्प करनी चाहिए थी। रीतू दीदी तो आपका कितना हाथ बंटाती थी। वह अब पापा का खूब ख्याल रखती है। मैं भी रखता हूं। आपको पता है न?

मां, स्कूल में मेरे दोस्त कहते थे कि तेरे पापा अब नई मां ले आएंगे। कुछ दोस्त कहते हैं कि नई मां बहुत गंदी होती है। बिल्कुल भी प्यार नहीं करती। कुछ कहते हैं, ऐसा नहीं है। उनकी नई मां तो उन्हें बहुत चाहती है, लेकिन एक साल से ऊपर तो हो गया। पापा नई मां नहीं लाए। वे कहते हैं, 'बेटे! अब मैं ही तेरी मां हूं।' सच, वे बिल्कुल आपकी ही तरह हमें बहुत प्यार करते हैं। मां, आपको पता है न? अभी एक दिन क्रिकेट खेलते हुए मुझे चोट लग गई थी। मैंने पापा को नहीं बताया। चुपचाप मेडिसिन वाली स्ट्रिप लगा ली। सोचा उन्हें बताऊंगा तो परेशान होंगे। लेकिन जब उन्हें पता चला तो ज्यादा परेशान हुए। बिल्कुल आपकी तरह बोले- परेशानियों को शेयर जरूर करना चाहिए। दुःख आपस में बांट लो तो कम हो जाता है। मां, आपको पता है न, अब मुझे लगता है कि मैं बड़ा हो गया हूं। छोटे-छोटे कामों के लिए आपको परेशान करने वाला ये चंदन अब सारे काम खुद कर लेता है। काश! ये सब मैं पहले करता, जब आप थीं तो कितना खुश होतीं। दादी, पापा से कितना खुश होती हैं। पापा उनके सामने बिल्कुल बच्चा बन जाते हैं। सही कहते हैं कि जिनके पास बड़े हैं, वे हमेशा बच्चे हैं।

'पापा! पापा! पापा...!' हाथ में गिलास लिए रीतू खड़ी थी। बोली, 'पापा क्या पढ़ रहे हैं? कब से आपको पुकार रही हूं, आप सुनते ही नहीं।'

पापा को जैसे झटका-सा लगा, 'अरे!'

चंदन भी जाग गया था, 'पापा! आप कब आए?' और फिर उसने आंखें मलते-मलते ही जब अपनी नोट बुक पापा के हाथ में देखी तो तेजी से उनसे ले लिया। धीरे से पूछा, 'पापा। क्या आपने पढ़ा इसे?'

पापा ने चंदन की आंखों को देखा। बोले, 'तुम रोए थे चंदन? ये नोट बुक आंसुओं से भीगी है न?'

चंदन पापा से लिपट गया, 'अब नहीं। अब नहीं रोऊंगा पापा। क्या करूं, मां की याद आती है तो खुद को रोक नहीं पाता।'

पापा देर तक चुप बैठे रहे। फिर रीतू के हाथ से गिलास लिया। पानी पिया। बोले, 'तुम दोनों के लिए एक सरप्राइज है। अभी तक इस घर में दो बच्चे थे। अब तीन हो जाएंगे।' 'तीन! वह कैसे?' रीतू और चंदन ने एक साथ पूछा। पापा ने चंदन के गालों को सहलाते हुए बताया, 'क्योंकि अब आपकी बड़ी मां आ रही हैं। अब वे यही रहेंगी। हम तीनों बच्चे उनके साथ खूब मजे करेंगे।'

'वाह! दादी आ रही हैं। वेरी गुड।'

दोनों पापा से लिपट गए।

सामने मां का मुस्कुराता हुआ फोटो और ज्यादा सुंदर लग रहा था। *

कविता
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

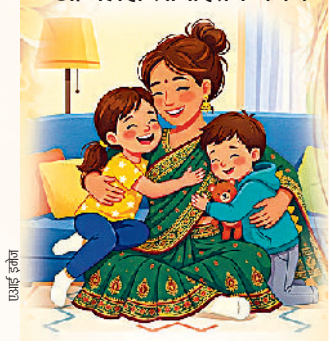

एआई इमेज

मीठी-मीठी लोरी मां

काली हो या गोरी मां।
बहुत तेज या भोरी मां।
तन की चाहे जैसी भी हो
होती मन की कोरी मां।
रसगुल्ले-सी मीठी-मीठी
या कि शहद की बोरी मां।
अपने बच्चों की खातिर है
माखन भरी कटोरी मां।
परी देश की कथा-कहानी
किस्से चांद-चकोरी मां।
झूठी डांट, डपट और झिड़की
मीठी-मीठी लोरी मां।
अगर जरा भी ठेस लगे तो
मुंह से निकले- मोरी मां।
आती रहती है सपनों में
चुपके, चोरी-चोरी मां।

जीके क्विज-204

1. आईपीएल के इतिहास में 800 बाउंड्री शॉट से रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
2. देश के वर्तमान रक्षा मंत्री कौन हैं?
3. विद्युत का सबसे अच्छा सुचालक कौन-सी धातु होता है?
4. बच्चों की पसंदीदा किताब 'द जंगल बुक' के लेखक कौन हैं?
5. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई थी?
6. किस भारतीय को 'साबरमती का संत' कहा जाता है?
7. अंकोरवाट मंदिर कहां स्थित है?
8. भारत का प्रथम और अंतिम भारतीय गवर्नर जनरल कौन था?
9. पश्चिम बंगाल की राजधानी कहां है?
10. कौन-सा पोषक तत्व हमारी हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है?

बच्चो, जीके क्विज-204 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-203 का उत्तर : 1 अरोण्यक घोष, 2. हरिवंश नारायण सिंह, 3. रवींद्रनाथ टैगोर, 4. यूनेस्को, 5. टेनिस, 6. रानी लक्ष्मीबाई, 7. लखनऊ, 8. 23.5 डिग्री, 9. उत्तर प्रदेश, 10. सागरमाथा

जीके क्विज-203 का सही उत्तर देने वाले : पूरब-बिलासपुर, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, जियाना-रायगढ़, कबीर-हिसार, तुषार-रायपुर, पूर्वी-रोहतक, संकेत-दिल्ली, कुसुम-महासमुंद, तेजस-बलौदा बाजार, किंशुक-दुर्ग

रंग भरो-201

रंग भरो-201 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रशिका, जांजगीर

अद्विक, रायपुर

इरा, कोरबा

आयांश, दुर्ग

प्रगति, बिलासपुर

साक्षी, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आशना-जांजगीर, हर्ष-जगदलपुर, काशवी-रायपुर, काव्या-रायपुर, माही-महासमुंद, विशेष-रायपुर, प्रिया-रायगढ़, संचिता-दुर्ग, जतिन-भोपाल, हर्ष-बलौदा बाजार, याशिका-रायपुर, कुसुम-कोरबा, प्रियांशु-रोहतक, अंकित-बालोद, मनीष-महेंद्रगढ़

रंग भरो 202

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में हर्ष और खुशी अपनी मम्मी से गले मिलकर उन्हें मदर्स-डे विश कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

टोहाना व भट्टूकलां में किसानों का रोष प्रदर्शन, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

72 घंटों में भुगतान के दावे खोखले, बैंकों से नहीं मिल रही पेमेंट : विष्णुदत्त शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसान सभा द्वारा वीरवार को भट्टू मार्केट कमेटी कार्यालय पर अपनी मांगों को लेकर रोष प्रदर्शन किया गया। इस दौरान किसानों ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली के खिलाफ नारेबाजी की और मार्केट कमेटी सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान नेता सूरजमल जाखड़ और किशोरी लाल माचरा ने की। इसके अलावा टोहाना में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने अनाज मंडी में मार्केट कमेटी सचिव के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन की अगुवाई भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष लाभ सिंह ने की। किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा एकतरफा नियम बनाकर किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से 72 घंटों में फसल भुगतान के जो दावे किए जा रहे हैं, वे पूरी तरह से खोखले साबित हो रहे हैं। आज तक भी किसानों को गेहूं की फसल का पूरा भुगतान नहीं मिला है और मंडियों से फसल उठान की समस्या भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। किसानों ने बताया कि भट्टू क्षेत्र में स्थिति और भी खराब है। अनेक किसान फसल भुगतान के लिए कई दिनों से बैंकों के धक्के खा रहे हैं, लेकिन बैंक अधिकारी पेमेंट न होने की बात कहकर उन्हें वापस भेज रहे हैं। किसानों ने कहा कि यदि उन्हें समय पर पैसा नहीं मिला तो वे अगली फसल की बिजाई की तैयारी कैसे करेंगे। उन्होंने मांग की कि बैंक स्तर पर आ रही इस समस्या का तुरंत समाधान किया जाए।

भट्टूकलां। मार्केट कमेटी कार्यालय पर रोष जताते किसान। फोटो : हरिभूमि

फसल खरीद में ऑनलाइन पोर्टल, बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी जटिल शर्तों को तुरंत वापस लें

ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। किसानों की मांग है कि गेहूं की फसलों का बकाया भुगतान तुरंत किसानों के खातों में डाला जाए। मंडियों से गेहूं के उठान की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उठान न होने से किसानों को पैमेंट का भुगतान नहीं मिल रहा है। फसल खरीद में लगाई गई ऑनलाइन पोर्टल, रजिस्ट्रेशन और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी जटिल शर्तों को तुरंत वापस लिया जाए। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि पोर्टल और ऑनलाइन सिस्टम की परेशानियों के कारण किसान पहले ही मानसिक तनाव में है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इन मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो किसान एक बार फिर से आंदोलन के रास्ते पर उतरने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन और सरकार की होगी। इस अवसर पर मास्टर हनुमान, सुभाष चन्द्र, रोहताश डूडी, अभय सिंह गोदारा, मनीष सिवाच, रिछपाल भादू, अजय माचरा, रघुबीर सिंह कुकणा, राकेश कुमार, हजारी लाल, ओम जाखड़ सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

संयुक्त किसान मोर्चो ने किसानों की समस्याओं को लेकर मार्केट कमेटी सचिव को सौंपा ज्ञापन

सिरसा। संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों की समस्याओं को लेकर मार्केट कमेटी सचिव को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सुखदेव सिंह जम्मू, हमजिंद्र सिधु, का. सुरजीत सिंह, इकबाल सिंह, बेअंत सिंह नेजाडेला कलां, जगसीर सिंह, राजेंद्र बैनीवाल ने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा एक तरफा तौर पर जो नियम बनाए गए हैं, उससे किसानों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। चाहे वो पिछले दिनों फसल बिक्री में लगाई गई शर्तों का मुद्दा हो या ऑनलाइन पोर्टल आदि की परेशानियां। उन्होंने बताया कि फसलों की खरीद होने के बाद आज तक भी किसानों को गेहूं की फसलों का भुगतान पूरा नहीं दिया गया है। मंडियों से फसलों का उठान भी बड़ी समस्या है। सरकार द्वारा 72 घंटों में भुगतान के जो दावे किए गए थे, वो खोखले साबित हुए हैं। उन्होंने सरकार को चेताते हुए कहा कि अगर जल्द किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसानों को पुनः आंदोलन के रास्ते पर उतरने को मजबूर होना पड़ेगा।

ये है मुख्य मांगें: गेहूं की फसलों का बकाया भुगतान जल्द से जल्द किसानों को किया जाएं। मंडियों से गेहूं के उठान की प्रक्रिया को तेज करते हुए जल्द उठान सुनिश्चित किया जाएं। फसल खरीद में ऑनलाइन पोर्टल, रजिस्ट्रेशन, बायोमेट्रिक सत्यापन आदि की शर्तें को वापिस लिया जाएं।

सिरसा। मार्केट कमेटी सचिव को ज्ञापन सौंपते किसान नेता।

फतेहाबाद। दुर्गा मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए एडीसी।

11 मई को मनाया जाएगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

दुर्गा मंदिर में होगा जिला स्तरीय आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में 11 मई को जिला स्तर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में एडीसी अनुराग ढालिया ने अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की तथा विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। एडीसी ने आयोजन स्थल दुर्गा मंदिर का निरीक्षण किया और वहां व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एडीसी ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व देशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा तथा जिला स्तर पर इसका आयोजन दुर्गा मंदिर परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। यात्रा दुर्गा मंदिर पहुंचेगी, जहां शिवलिंग पर विधिवत जलाभिषेक किया जाएगा।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, सीईओ सुरेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डिप्टी सीएमओ मेजर डॉ. शरद टूली, डीईओ संगीता बिश्नोई, तहसीलदार सुरेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिसे उपस्थित श्रद्धालु लाइव देख और सुन सकेंगे। इसके अलावा दुर्गा मंदिर परिसर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे श्रद्धा और सांस्कृतिक चेतना का वातावरण बनेगा। एडीसी अनुराग ढालिया ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

लोक अदालत में आपसी सहमति से होंगे निपटारे

सिरसा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने समक्ष लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'समाधान समारोह' नामक एक विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से निपटारा सुनिश्चित करना है। यह अभियान 21 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है और इसका समापन 21, 22 एवं 23 अगस्त को आयोजित विशेष लोक अदालत के साथ किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कि सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बगोतिया ने बताया कि इस विशेष अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में पक्षकारों को आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

सफाई कर्मियों की मांगें पूरी करे सरकार: जस्सा

सिरसा। इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि प्रदेशभर में सफाई कर्मचारियों की जायज मांगों के प्रति सरकार की उदासीनता पूरे हरियाणा पर भारी पड़ रही है। सिरसा जिले में कूड़ा कर्कट की भयावह होती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते पूरा शहर कूड़ाघर में तबदील हो गया है और कमोबेश यही स्थिति पूरे हरियाणा में भी है। उन्होंने कहा कि पूरे सिरसा जिले में सफाई व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति के चलते आमजन में बीमारियां फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इनेलो जिलाध्यक्ष जस्सा ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की जायज मांगों को शासन की ओर से पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

'क्विज मास्टर' ललित चोपड़ा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

एमएम शिक्षण महाविद्यालय में कम्प्यूटर अनुदेशक के रूप में कार्यरत ललित चोपड़ा की प्रतिभा को देखते हुए हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल और एडीजीपी एचएस दून द्वारा विशेष तौर पर सम्मानित किया गया है। हरियाणा ट्रैफिक विभाग द्वारा पंचूकला में आयोजित 8वी हरियाणा राज्यस्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में क्विज मास्टर की शानदार भूमिका निभाने पर उन्हें यह सम्मान दिया गया। बता दें कि हरियाणा ट्रैफिक पुलिस द्वारा राज्य स्तरीय सडक़ सुरक्षा प्रतियोगिता पंचकूला स्थित डायल 112 के सभागार में आयोजित की गई थी। इसको लेकर हरियाणा पुलिस द्वारा एमएम शिक्षण महाविद्यालय के कम्प्यूटर अनुदेशक ललित चोपड़ा का चयन बतौर क्विज मास्टर किया गया था। अब तक आयोजित 8 राज्यस्तरीय सडक़ सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में ललित चोपड़ा का चयन एक कुशल क्विज मास्टर के रुप में 6 बार हुआ है। इस प्रकार की पूर्णतय कम्प्यूटराइजड, हाईटेक सिस्टम का उपयोग व क्विज करवाने की अद्भुत शैली के कारण आज वे केवल हरियाणा में ही नहीं अपितु भारत के अनेक राज्यों में ऐसी प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक संचालन कर चुके हैं।

फतेहाबाद। क्विज मास्टर ललित चोपड़ा को सम्मानित करते हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल।

पंचकूला में आयोजित इस प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल व एडीजीपी एचएस दून भी ललित चोपड़ा की इस प्रतिभा से काफी प्रभावित नजर आए और ललित चोपड़ा व उनकी टीम के सदस्यों संदीप कुमार, मोहित कुमार व राजेश कुमार की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए सभी को हरियाणा पुलिस विभाग की तरफ से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। ललित चोपड़ा ने इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के उपप्रधान संजीव बतरा व महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. जनक मैहता व उप-प्रचार्या डॉ गुंजन बजाज का विशेष तौर पर आभार जताया, जिन्होंने इस आयोजन के सफल संचालन के लिए 4 से 6 मई तक पंचकुला जाने की स्वीकृति प्रदान की।

सफाई कर्मचारियों और सीवरमैन के लिए जिला स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर

फतेहाबाद। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग द्वारा जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से फतेहाबाद जिले के सभी सफाई कर्मचारियों, सीवरमैन और उनके परिजनों के लिए तीन दिवसीय जिला स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर 8 मई तक जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किया जा रहा है। विशेष रूप से नागरिक अस्पताल फतेहाबाद की विशेषज्ञ टीमों द्वारा कर्मचारियों की गहन जांच की जा रही है। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के वाइस चेयरमैन आजाद सिंह, कार्यालय कोऑर्डिनेटर नीलम और कार्यालय कोऑर्डिनेटर संदीप ने बुधवार को डीपीआरसी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में इस अभियान की शुरुआत की। आयोग की कोऑर्डिनेटर नीलम ने बताया कि फतेहाबाद जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी और नागरिक अस्पताल में विशेष डेस्क बनाए गए हैं। शिविर के दौरान नागरिक अस्पताल फतेहाबाद, रतिया और टोहाना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भूना, भट्टू और जाखल तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नागपुर केंद्रों पर जांच जारी है। इस विशेष कैंप में सफाई कर्मचारियों के लिए आँखों की जांच जिसमें धुंधलापन और अन्य नजर संबंधी समस्याओं की जांच, ब्लड टेस्ट, बीपी और शुगर की जांच, टीबी की विशेष स्क्रीनिंग, चेस्ट से संबंधित रोग और श्वसन जांच आदि टेस्ट पूर्णतः निशुल्क किए गए। जिला नगर आयुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन सफाई कर्मचारियों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी तरह के कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया और फतेहाबाद जिले के सभी सफाई कर्मचारियों को पूरी तरह अपनी सेहत को बेहतर और स्वस्थ बनाए रखने के लिए अपनी अच्छे से जांच करने के लिए प्रेरित किया।

न्यूज डायरी

आरटीई के तहत निजी स्कूल नहीं दे रहे दाखिला, खफा अभिभावकों ने किया प्रदर्शन

रतिया। आरटीई योजना के तहत चयनित बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला न दिए जाने के विरोध में आज भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां इकाई रतिया ने अभिभावकों एवं कर्मचारियों के साथ एकजुट होकर प्रदर्शन किया। इसके बाद उप मंडल अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी रतिया को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से बच्चों को निजी स्कूल आवंटित किए गए थे, लेकिन कई निजी स्कूल डिस्टेंस का बहाना बनाकर बच्चों को दाखिला देने से इंकार कर रहे हैं। इससे गरीब एवं मजदूर परिवारों के बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। यूनियन नेताओं और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की कि आरटीई के तहत चयनित सभी बच्चों का तुरंत दाखिला सुनिश्चित किया जाए तथा नियमों की अवहेलना करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार कई दिनों से अपने काम छोड़कर दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बीईओ कार्यालय के गेट पर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और शिक्षा विभाग की होगी।

सीजेएम सुयशा जावा ने महिला थाने का किया निरीक्षण

फतेहाबाद। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव सुयशा जावा ने बाल कल्याण समिति, जिला सैनिक बोर्ड व महिला थाना में स्थित कानूनी सहायता केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित लोगों को मुक्त कानूनी सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सीजेएम सुयशा जावा ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 10 कानूनी सहायता केंद्र है व शहरी क्षेत्र में चार कानूनी सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही कोर्ट परिसर फतेहाबाद, टोहाना व रतिया में भी फ्रंट ऑफिस में भी कानूनी सहायता केंद्र स्थापित किए हुए हैं जहां पर किसी भी कार्य दिवस पर नागरिक मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। सीजेएम ने बताया कि कानूनी सहायता केंद्रों पर कोई भी व्यक्ति प्रत्येक रविवार को पैनल अधिवक्ता और पैरालीगल वालिंटियर से मुफ्त कानूनी सहायता व सलाह प्राप्त कर सकता है।

हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत के मामले में चालक काबू

फतेहाबाद। करीब एक सप्ताह पहले सेक्टर 11 क्षेत्र में हुई उस दर्दनाक सडक़ दुर्घटना के आरोपी चालक को थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिसमें एक बुजुर्ग महिला की जान चली गई थी। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार को भी अपने कब्जे में ले लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान लाजपत नगर निवासी समीर पुत्र अजय के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्रा ने बताया कि यह हादसा 28 अप्रैल की शाम को हुआ था। सेक्टर 11 निवासी राजीव नाथ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनकी 86 वर्षीय माता शांति देवी और बहन कान्ता सडक़ किनारे एक रेहड़ी से सब्जी खरीद रही थीं। इसी दौरान बीघड़ रोड की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार सफेद कार के चालक ने लापरवाही और गफलत में गाड़ी चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में मां-बेटी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग शांति देवी की मृत्यु हो गई, जबकि उनकी बेटी कान्ता का उपचार जारी है। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा था।

एशियन सवाते चैंपियनशिप में डबवाली की बेटी स्नेहा ने जीता गोल्ड

सिरसा। डबवाली उपमंडल के महाग्राम गंगा की बेटी स्नेहा ने नेपाल की राजधानी काठमांडू में 30 अप्रैल से 4 मई तक आयोजित सातवीं एशियन सवाते चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा स्नेहा ने फाइनल मुकाबले में मेजबान काठमांडू की खिलाड़ी को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। स्वर्ण पदक जीतकर स्वदेश लौटने पर उप-तहसील गोरीवाला पहुंचने पर स्नेहा का भव्य अभिनंदन किया गया। गांव के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ग्राम पंचायत, गणमान्य लोगों, विद्यार्थियों व स्कूल स्टाफ ने स्नेहा की जीत पर खुशी जताई और उसे फूलों व नोटों की मालाएं पहनाकर आशीर्वाद दिया। बेटी की सफलता से परिजन बेहद उत्साहित नजर आए। गोरीवाला के भीमराव अंबेडकर चौक पर भी भारी संख्या में लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्नेहा के उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके बाद स्नेहा को खुली जीप में विजय जुलूस के साथ गांव लाया गया। रास्ते में मोड़ी गांव पहुंचने पर वहां की ग्राम पंचायत, गणमान्य लोगों और स्कूली बच्चों ने भी स्नेहा का गर्मजोशी से स्वागत किया। जैसे ही स्नेहा अपने शिक्षण संस्थान पहुंची, उसकी सहपाठियों ने जयघोष के नारों और पुष्पवर्षा के साथ उसे पलकों पर बिठा लिया। इस बीईओ राजेंद्र जाखड़, सरपंच हरचरण सिंह, सरपंच प्रतिनिधि जयपाल सिंह बग्गी, जगदीश माहर, एडवोकेट धीरज महारुद्रा, पीटीआई कालू राम और पीटीआई उत्तम चंद मुख्य रूप से मौजूद रहे।

हिजरावां कलां में लाइब्रेरी और जिम की उठी मांग, मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिले के गांव हिजरावां कलां में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की

मांग को लेकर प्रमुख समाजसेवी सतपाल बाजीगर ने चंडीगढ़ सीएम निवास संत कबीर कुटीर जाकर उनसे मुलाकात की और मांग पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि लगभग 7 हजार की आबादी वाले इस गांव में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर स्वास्थ्य के लिए लाइब्रेरी और जिम का होना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री को सौंपे मांग पत्र में सतपाल बाजीगर ने कहा है कि हिजरावां कलां एक बड़ी आबादी वाला गांव है और यहां 12वीं कक्षा तक का स्कूल भी संचालित है। शिक्षा के प्रति जागरूक होने के बावजूद, शहर से गांव की दूरी लगभग 15 किलोमीटर होने के कारण विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने पत्र के माध्यम से दो मुख्य मांगों को प्रमुखता से रखा है। उनका कहना है कि विद्यार्थियों के पढऩे के लिए गांव में एक आधुनिक लाइब्रेरी भवन का निर्माण करवाया जाए, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 27 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा युवाओं को नशे से दूर रखने और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक जिम का निर्माण किया जाए, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 25 लाख रुपये है।

ग्राम पंचायत ने लगवाया वाटर कूलर

सिरसा। गर्मी के मौसम को देखते हुए गांव भंगू के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में ग्राम पंचायत की ओर से विद्यार्थियों के लिए ठंडे पेयजल की व्यवस्था की गई है। पंचायत द्वारा स्कूल में वाटर कूलर लगवाने के साथ-साथ सोलर सिस्टम के लिए बैटरियां भी उपलब्ध करवाई गई हैं, जिससे विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को काफी राहत मिलेगी। पंचायत के इस सहयोग की ग्रामीणों और स्कूल स्टाफ ने सराहना की है। सरपंच सुखमैल कौर पत्नी सतनाम सिंह ने स्कूल के विकास कार्यों के तहत विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वाटर कूलर तथा सोलर सिस्टम के लिए चार बैटरियां दान स्वरूप भेंट की हैं। पंचायत की इस पहल से स्कूल में गर्मी के दौरान बच्चों को स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा, वहीं बिजली व्यवस्था भी सुचारू बनी रहेगी। विद्यालय पहुंचने पर स्कूल की मुख्य अध्यापिका मंजू बंसल और स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान सुखमंदर सिंह ने सरपंच सुखमैल कौर और सरपंच प्रतिनिधि सतनाम सिंह का स्वागत किया।

सिरसा। नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण करते सीजेएम। फोटो : हरिभूमि

सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने सिविल अस्पताल में नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां मौजूद नशा पीड़ितों से मुलाकात की और नशा पीड़ितों के लिए दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। सीजेएम संतोष बागोतिया ने मनोचिकित्सक डॉक्टर पंकज शर्मा से भी नशा पीड़ितों के उपचार के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यदि किसी नशा पीड़ित को मुफ्त कानूनी सहायता की आवश्यकता है तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से कानूनी सहायता ले सकते हैं।

विद्यार्थियों से संबंधित समस्याओं के समाधान एवं मार्गदर्शन के लिए ग्रीवेंस कमेटी गठित

सीडीएलयू में एडमिशन कमेटी में दाखिला प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालयमें शैक्षणिक सत्र 2026-27 के यूजी के दाखिलों को लेकर एडमिशन कमेटी की बैठक हुई। बैठक में दाखिला प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं विद्यार्थी हितैषी बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि दाखिले हेतु हैंडबुक ऑफ इंफॉर्मेशन 2026-27 को अंतिम रूप देने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया गया। यही कमेटी विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालयों के दाखिलों से संबंधित निर्देश एवं गाइडलाइन भी तैयार करेगी। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रॉक्टर को एंटी रैगिंग कमेटी तथा एंटी रैगिंग स्क्वॉड के गठन के लिए अधिकृत किया गया। बैठक में विद्यार्थियों से संबंधित समस्याओं के समाधान एवं मार्गदर्शन के लिए स्टूडेंट्स के दाखिलों से संबंधित एक ग्रीवेंस कमेटी गठित की गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं रोजगारपरक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए आगामी शैक्षणिक सत्र से बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स, बीएससी योगा तथा बीटेक सीएसई शुरू करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही विधि विभाग के बीए एलएलबी पाठ्यक्रम में दाखिले प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किए जाने का भी निर्णय लिया गया।

सिरसा। बैठक को संबोधित करते कुलपति प्रो. विजय कुमार। फोटो : हरिभूमि

नए पाठ्यक्रम भविष्य को देंगे नई दिशा : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप शुरू किए जा रहे नए पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होंगे। बैठक में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार, डीन ऑफ कॉलेजिज प्रोफेसर राम मेहर, डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर राजकुमार, डीन यूएसजीएस प्रोफेसर मोहम्मद काशिफ किदवई, एमएम कॉलेज, फतेहाबाद के प्राचार्य डॉ गुरचरण, गवर्नमेंट नेशनल कॉलेज आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बाबा बिहारी नेत्रालय में नेत्र जांच कैंप 9 को

सिरसा। बाबा बिहारी नेत्रालय द्वारा आंखों की जांच का निःशुल्क कैंप 9 मई को बाबा बिहारी नेत्रालय में आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट के सचिव शेखर महिपाल ने बताया कि कैंप सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञा डॉ. नीरू गिजवानी की टीम द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी। कैंप में मरीजों के आप्रेशन भी निःशुल्क किए जाएंगे और जरूरत के अनुसार दवाइयां भी निःशुल्क दी जाएंगी।

शिविर में आई 16 शिकायतें समाधान के दिए निर्देश

सिरसा। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जिला राजस्व अधिकारी संजय कुमार ने वीरवार को आमजन की शिकायतें सुनी और अधिकारियों को तत्परता से समाधान के निर्देश दिए। शिविर में 16 शिकायतें आई। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनता की समस्याओं प्राथमिकता के आधार पर निवारण करना है। शिविर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने बताया कि हर सोमवार व वीरवार कार्यदिवस में प्रातः 10 से 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। आमजन अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को इन समाधान शिविरों में रख सकते हैं।

युवक 5 किलो चूरापोस्त सहित गिरफ्तार

चोपटा। पुलिस ने गांव जमाल क्षेत्र से एक व्यक्ति को 5 किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी रामकुमार ने बताया कि जमाल पुलिस चौकी एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान गांव जमाल क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस पार्टी को सामने से एक युवक आता दिखाई दिया। उक्त युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुड़कर खिसकने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 5 किलो 110 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुई। आरोपी की पहचान बॉबी निवासी भादर बाजार सिरसा के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना नाथूसरी चौपटा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्जकर जांच शुरु की गई है।

21 मिलीग्राम हेरोइन सहित युवक दबोचा

सिरसा। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान गांव सुरतिया क्षेत्र से एक युवक को हजारों रुपये की सात ग्राम 21 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है।एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा टीमम प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान केवल सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव सुरतिया क्षेत्र में मौजूद थी । इसी दौरान सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुड़कर खिसकने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 7 ग्राम 21 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

शहर में चारों तरफ कूड़े के ढेर, दुर्गंध फैली, आमजन परेशान

घरों में खाना शुरू करते ही भिनभिनाने लगती हैं मक्खियां-मच्छर, हालात भयावह

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नगर परिषद के कर्मचारियों की हड़ताल आज 8वें दिन भी खत्म नहीं हुई बल्कि कर्मचारियों ने हड़ताल को 11 मई तक बढ़ा दिया है। इस बीच गंदगी को लेकर शहर के हालात भयावह होते जा रहे है। हाल यह है कि शहर से गुजरता हाइवे हो, या सम्पर्क मार्ग या शहर की पॉश कालोनियां, हर जगह दुर्गंध फैली हुई है। हर मार्ग पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। हड़ताल अब 11 मई तक बढ़ी तो लोगों के भी रौंगटे खड़े हो गए। दरअसल इस समय हालात यह है कि घर में मच्छर-मक्खियों का साम्राज्य है। खाना खाने बैठे तो मक्खियां भिनभिनाने लगती है। यह तो घरों के हालात है, होटल-ढाबों व रेस्टोरेंट में तो जाना ही जानलेवा साबित हो सकता है। पिछले 8 दिनों से लोग घरों से कचरा लाकर सड़क़ों, कालोनियों व खाली प्लाटों में फैंक रहे हैं। इस समय शहर की सड़क़ों पर करीब 350 टन कचरा फैला हुआ है। दूसरी ओर वीरवार को नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर सातवें दिन भी नगर परिषद कर्मचारियों की हड़ताल जारी रही। वहीं, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों की हड़ताल को आज एक महीना पूरा हो गया है। आज की हड़ताल इकाई प्रधान नरेश राणा की अध्यक्षता में हुई और मंच संचालन सचिव ओम प्रकाश लौट ने किया। इस दौरान सभी कर्मचारी काम छोडक़र हड़ताल पर डटे रहे। कर्मचारी नेता नरेश राणा और ओम प्रकाश लौट ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार चुनावों और जीत के जश्न में मशरूफ है, जबकि प्रदेश के 90 शहरों के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। शहर के मुख्य बाजारों में कचरे का अंबार लग गया है, जिससे महामारी फैलने का खतरा पैदा हो गया है। कर्मचारी नेता रमेश तुषामड़, विजय ढाका और वीरू राती ने कहा कि सरकार तानाशाही और अडियल रवैया छोडक़र नैतिकता का परिचय दे। जो कर्मचारी वर्षों से जनता को साफ-सुथरा माहौल दे रहे हैं, आज उनका अपना जीवन अंधकार में है।

नगरपरिषद कर्मचारियों की हड़ताल 11 मई तक बढ़ी, आंदोलन को कांग्रेस और इनेलो नेताओं ने भी दिया समर्थन

फतेहाबाद। विधायक बलवान सिंह को मांग पत्र सौंपते नगरपरिषद कर्मचारी।

हड़ताल को मिला विपक्षी दलों का समर्थन

आज कर्मचारियों की हड़ताल को फतेहाबाद के कांग्रेस विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, कांग्रेस जिला प्रधान अरविंद शर्मा, युवा इनेलो नेता गौरव सम्पत सिंह, इनेलो लेता नफे सिंह जाखड़, जगदीश झाझड़ा ने भी मौके पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। विधायक ने कहा कि नगर परिषद कर्मचारियों और फायर कर्मियों का लंबे समय से आंदोलन पर बैठना इस बात का प्रमाण है कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार होना चाहिए।

जेजेपी का हड़ताली कर्मचारियों को समर्थन

सिरसा। जजपा के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने पिछले एक सप्ताह से अपनी जायज मांगों के समर्थन में धरने पर बैठे सफाई कर्मचारियों को पार्टी की ओर से समर्थन दिया है। वर्मा ने कहा कि सरकार की उदासीनता के चलते ही सफाई कर्मचारी हड़ताल जैसा निर्णय लेने पर मजबूर हो गए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक फौज शत्रु से लड़ती है, ठीक उसी प्रकार ये सफाई कर्मी भी गंदगी से लडक़र आमजन को बीमारियों के प्रकोप से बचाते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह से शहरभर में फैले कूड़ा कर्कट की वास्तविक जिम्मेदार राज्य सरकार है जो कर्मचारियों की जायज मांगों को नहीं मान रही। वर्मा ने कहा कि आज मौजूदा भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। उन्होंने सवाल किया कि जब सफाई कर्मचारियों की मांगों के प्रति उच्च न्यायालय की ओर से भी निर्णय दे दिया गया है तो राज्य सरकार उसे अमल में क्यों नहीं ला रही? उन्होंने जेजेपी की ओर से सरकार से मांग की कि सफाई कर्मचारियों की जायज मांगों को सुनकर उनका निदान किया जाए।

सफाई कर्मचारियों की मांगों का शीघ्र हल करे सरकार

सिरसा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता आनंद बियाणी ने कहा कि हरियाणा सरकार को सफाई कर्मचारियों की हड़ताल की खत्म करवाने के लिए उनकी मांगों को शीघ्र मानना चाहिए। बियाणी ने जारी बयान में कहा कि पिछले एक सप्ताह से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते पूरे प्रदेश में गंदगी का आलम है। उन्होंने स्थानीय जिला प्रशासन से आग्रह किया कि वह हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों से तालमेल बिठाकर सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था करे।

फतेहाबाद। आर्य समाज की बैठक में भाग लेते अतिथिगण व सदस्य।

आर्य समाज राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम : उमेद

■ जयवीर आर्य बने वेद प्रचार मंडल के जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सुंदर नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में वीरवार को एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक, हरियाणा मुख्यालय से सभा के उपप्रधान उमेद शर्मा और वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी सच्चिदानन्द सरस्वती ने शिरकत की। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण और ईश्वर प्रार्थना के साथ किया गया। बैठक में अतिथियों ने आर्य समाज के उद्देश्यों, वेद प्रचार-प्रसार, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक जागरण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान संगठन की मजबूती और जिले में वेद प्रचार की गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई। सर्वसम्मति से जयवीर आर्य को वेद प्रचार मंडल, जिला फतेहाबाद का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनकी नियुक्ति पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और संगठन विस्तार की उम्मीद जताई।

उत्तरदायित्व

सभा को संबोधित करते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान उमेद शर्मा ने कहा कि आर्य समाज केवल मात्र एक धार्मिक संस्था नहीं है, बल्कि यह समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने सदस्यों से आह्वान किया कि वे संगठन की एकता को बनाए रखें और समाज हित के कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी सच्चिदानन्द सरस्वती ने अपने संबोधन में वैदिक धर्म और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज में नैतिक और आध्यात्मिक जागरण की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने दैनिक जीवन में वैदिक सिद्धांतों को अपनाने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोडऩे पर बल देते हुए कहा कि सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाना हम सभी का सामूहिक उत्तरदायित्व है। इस अवसर पर आर्य समाज फतेहाबाद के प्रधान आर्य अरुण गोवर, सचिव डॉ. राजवीर शास्त्री, पूर्व प्रधान बंसीलाल आर्य, बुधराम आर्य, रोशन लाल गोदारा, मताना गांव से नन्दलाल आर्य, नन्दलाल आर्य चराईपोत्रा आदि मौजूद रहे।

भाजपा रोजगार देने में विफल: झोरड़

■ हरियाणा के विभिन्न विभागों में 2 लाख तक सरकारी पद खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला केगांव कुरंगावाली में वीरवार को झोरड़ खाप की बैठक हुई। बैठक में खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद झोरड़ ने कहा कि आज हरियाणा के विभिन्न सरकारी विभागों में लगभग 1.8 लाख से 2 लाख तक सरकारी पद खाली पड़े हैं। इसके बावजूद हरियाणा सरकार बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि एक तरफ लाखों पद खाली हैं और दूसरी तरफ लाखों पढ़े-लिखे युवा नौकरी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। सरकार की उदासीनता के कारण ये भर्तियां वर्षों से लंबित हैं। शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, बिजली और पंचायती राज जैसे जरूरी विभाग स्टाफ की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे आम जनता को भी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार के बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन धरातल पर स्थिति बिलकुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई भर्ती निकलती है तो वह पेपर लीक या कोर्ट केस में फंस जाती है। युवाओं की उम्र निकल रही है और वे निराशा में नशे व अपराध की तरफ बढ़ रहे हैं। झोरड़ ने मांग की कि सरकार तुरंत विशेष भर्ती अभियान चलाकर सभी खाली पदों को समयबद्ध तरीके से भरे। हर साल का रोजगार कैलेंडर जारी हो और भर्तियों में पारदर्शिता लाई जाए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर महासचिव सुभाष झोरड़, जेजेपी के किसान प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व गांव के विशिष्ट शगनजीत सिंह गिल, पूर्व सरपंच मक्खन सिंह झोरड़, पूर्व सरपंच इकबाल सिंह, पूर्व सरपंच जसपाल सिंह, नंबरदार जसवंत सिंह झोरड़, बुध सिंह खालसा, जसवीर सिंह, मग्घर सिंह, राज सिंह, गंढा सिंह, रामकुमार, इंद्रपाल सिंह, गमदूर सिंह, जगसीर सिंह, रविंद्रपाल, साहेब सिंह, अमरीक सिंह, सेवक सिंह, पाला सिंह, गुरनाम सिंह, तथा जगजीत सिंह कुरंगावाली आदि गणमान्यजन मौजूद थे।

खेल नेतृत्व क्षमता का करते हैं विकास : रितु

■ क्रेसंट स्कूल में उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया विश्व एथलीट दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

क्रेसंट स्कूल में विश्व एथलीट दिवस बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। मंच संचालन कियान व कीर्ति ने आत्मविश्वास एवं प्रभावशाली शैली में किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। मनीष व नैंसी ने अपने सुविचारों के माध्यम से बताया कि सच्ची शक्ति मांसपेशियों में नहीं, बल्कि आत्मा एवं साहस में होती है। माही ने खेलों के महत्व पर आधारित सुंदर अंग्रेजी कविता व ऐश्वी ने खेल से जवां, खेल है जान खेल से रोशन हो, हर मैदान, सुंदर हिंदी कविता का सस्वर वाचन किया। कोमाक्षी व जन्नत ने एथलीट दिवस से संबंधित रोचक सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछ कर उपस्थित विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा। छात्र भव्य द्वारा आयोजित स्पेलिंग चेक गतिविधि ने विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक बना दिया।

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

सर्वांगीण विकास में खेलों का योगदान

नित्या ने खेलों के महत्व पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि खेल हमें अनुशासन, धैर्य एवं टीम भावना का पाठ पढ़ाते हैं। प्रधानाचार्या रितु सिंधु ने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों एवं उनके आत्मविश्वास की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं।

सीएम 15 मई को सिरसा से विशेष ट्रेन को करेंगे रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र के लिए 15 मई को सिरसा से विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री सैनी इस ट्रेन को सिरसा से झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। योजना अनुसार वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर अब 10 मई तक पंजीकरण किया जा सकता है। पात्र व्यक्ति सरल हरियाणा पोर्टल पर निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

यात्रा के लिए वरिष्ठ नागरिक 10 मई तक करवाएं सरल पोर्टल पर पंजीकरण

ये हैं अनिवार्य दस्तावेज

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), यात्रा के लिए स्वस्थ होने संबंधी प्रमाण तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है।

8 को ऐलनाबाद क्षेत्र में बांटे जाएंगे चेक

गौशालाओं को सौंपे जाएंगे करोड़ों की अनुदान राशि के चेक : यतींद्र सिंह

■ जिले में वितरित होंगे 10 करोड़ 30 लाख 91 हजार 520 रुपये

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह ने बताया कि ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र की गोशालाओं को हरियाणा गोसेवा आयोग द्वारा प्रदान की गई अनुदान राशि के चैक 08 मई को श्री कृष्ण गोशाला, ढाणी शेरांवाली रोड, ऐलनाबाद में तथा शाम श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला, गांव माखोसरानी में वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर ऐलनाबाद क्षेत्र की 38 गोशालाओं को कुल 2 करोड़ 96 लाख 26 हजार 680 रुपए की अनुदान राशि के चैक वितरित किए जाएंगे। इतनी राशि केवल ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र की गोशालाओं के लिए है। वहीं, पूरे सिरसा जिले में कुल 10 करोड़ 30 लाख 91 हजार 520 रुपए की अनुदान राशि गोशालाओं को वितरित की जा रही है। एडवोकेट यतींद्र सिंह ने हरियाणा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गौसेवा और गोसंरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने से पहले पूरे हरियाणा में मात्र 215 गोशालाएं ही पंजीकृत थीं, जबकि वर्तमान सरकार के प्रयासों से यह संख्या बढक़र 619 हो गई है।

साढ़े चार लाख गोवंशों का किया जा रहा पोषण

इन गोशालाओं में आज लगभग साढ़े चार लाख गौवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि सिरसा जिला गोसेवा के क्षेत्र में अग्रणी है, जहां सर्वाधिक 138 गोशालाएं संचालित हो रही हैं। यह प्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीतियों और निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि गोशालाओं को आर्थिक सहायता, संरचनात्मक विकास और संरक्षण के लिए लगातार प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गोशालाओं को समय-समय पर अनुदान उपलब्ध करवाना न केवल गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि समाज में सेवा और संवेदना की भावना को भी मजबूत करता है।

जनगणना पर जागरूकता बढ़ाएं अधिकारी: नगराधीश

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

नगराधीश अजय सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से तहसीलदारों, नगर परिषद व नगर पालिका सचिवों तथा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों के साथ जनगणना को लेकर बैठक की। बैठक में जिले में जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने, आमजन को जागरूक करने तथा तय समय सीमा में कार्य पूरा करवाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना को लेकर जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया में सहयोग कर सकें।

निर्धारित सीमा में पूरे करवाए जनगणना संबंधी कार्य

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नगराधीश ने निर्देश दिए कि जनगणना से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें। यदि जनगणना कार्य के दौरान किसी प्रकार की समस्या या तकनीकी कठिनाई सामने आती है तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाई जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके।

इंग्लिश राइटिंग स्पर्धा में छाए पांचवीं के विद्यार्थी

सिरसा। एमएम मैमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ओढां में कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए इंग्लिश राइटिंग प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की हैंडराइटिंग सुधारना और अंग्रेजी भाषा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना था। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया तथा अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरा वातावरण प्रेरणादायक बन गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा तीसरी से पांचवीं की कोऑर्डिनेटर ममता गढ़वाल एवं नर्सरी से दूसरी की कोऑर्डिनेटर प्रोमिला सोनी के मार्गदर्शन में उनकी टीम के सहयोग से किया गया। प्रतियोगिता के उपरांत प्रत्येक वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर 3 विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल सीमा बेनीवाल ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए बच्चों को निरंतर आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

योग शिविर में साधकों को करवाया सूर्य नमस्कार, पानी बचाने व पौधे लगाने का दिया संदेश

योग के नियमित अभ्यास से शरीर बनता है निरोग, स्वस्थ और तेजस्वी

द्वादश मंत्र युक्त सूर्य नमस्कार से तन, मन और आत्मा का होता है त्रिविध जागरण : विज्ञानानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा स्थानीय अल्फा इंटरनेशनल सिटी में आरोग्य : स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे तीन दिवसीय विलक्षण योग शिविर के तीसरे दिन योगाचार्य स्वामी विज्ञानानंद ने साधकों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाते हुए इसके आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी। संस्थान के संस्थापक आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी विज्ञानानंद ने कहा कि द्वादश मंत्र युक्त सूर्य नमस्कार के आसन विन्यास से तन, मन और आत्मा का त्रिविध जागरण होता है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार योगासनों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है और यह अकेला अभ्यास ही संपूर्ण योग व्यायाम का लाभ प्रदान करने में सक्षम है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर निरोग, स्वस्थ और तेजस्वी बनता है। इस अवसर पर संजीव मोंगा, ललित मेहता, विजय मेहता, पृथ्वी सिंह, रविंदर आहूजा, गौरव तनेजा, वीरेंद्र आहूजा, दिनेश मेहता, राजेश दुआ, अरिहरण, सोनू, केशव, हरी चरण आदि रहे।

फतेहाबाद। योग का महत्व बताते स्वामी विज्ञानानंद व योग करते कालोनीवासी। फोटो: हरिभूमि

महिलाओं के लिए संपूर्ण स्वास्थ्य साधना है योग

उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार स्त्री, पुरुष, बालक, युवा और वृद्ध सभी के लिए उपयोगी है। जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करता है, उसकी आयु, बल, प्रज्ञा, वीर्य और तेज में वृद्धि होती है। सूर्य नमस्कार में 12 आसन और एक चक्र में 24 चरण होते हैं, जो शरीर, श्वास और मन का पूर्ण समन्वय स्थापित करते हैं। प्रत्येक आसन के साथ गतिशील श्वास प्रक्रिया जुड़ी होती है, जिससे यह आसन और प्राणायाम दोनों का समग्र अभ्यास बन जाता है। स्वामी विज्ञानानंद ने कहा कि सूर्य नमस्कार शरीर की विभिन्न ग्रंथियों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव डालता है तथा शारीरिक स्तर से लेकर बौद्धिक स्तर तक व्यक्ति को सशक्त बनाता है। महिलाओं के लिए भी इसे संपूर्ण स्वास्थ्य साधना बताया गया। योग शिविर में साधकों को मंत्रों सहित सूर्य नमस्कार, मंडूकासन, दंडासन और विभिन्न प्राणायामों का अभ्यास भी करवाया गया।